BACKGROUNDERS
Press Information Bureau
Government of India

आसियान से यूरोप तक: एफटीए साझेदारों और अन्य बाजारों में भारत के निर्यात ने पकड़ी रफ्तार

18 नवंबर 2026

वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-सितंबर अवधि के दौरान प्रमुख एफटीए (FTA) साझेदारों और बड़े व्यापारिक बाजारों में भारत के निर्यात में व्यापक वृद्धि दर्ज की गई। आसियान (ASEAN) को होने वाला निर्यात 58% बढ़कर 28.06 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया, जबकि साफ्टा (SAFTA) साझेदारों को निर्यात 22% बढ़कर 15.29 अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया। यूरोपीय संघ को निर्यात 5% बढ़कर 38.79 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। सिंगापुर, मलेशिया, श्रीलंका, जापान, दक्षिण कोरिया और ओमान में मजबूत वृद्धि के साथ-साथ अन्य यूरोपीय बाजारों में बढ़त वैश्विक बाजारों में भारत की बढ़ती निर्यात उपस्थिति और मजबूत होते व्यापारिक संबंधों को दर्शाती है।

परिचय

वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-सितंबर अवधि के दौरान प्रमुख **मुक्त व्यापार समझौता (FTA)** साझेदारों और बड़े व्यापार-साझेदार बाजारों में भारत के निर्यात में व्यापक वृद्धि दर्ज की गई। **आसियान, दक्षिण एशिया, पूर्वी एशिया** और कई **यूरोपीय बाजारों** में मजबूत निर्यात प्रदर्शन भारत के व्यापार के बढ़ते भौगोलिक विविधीकरण को दर्शाता है।

निर्यात के प्रमुख गंतव्यों में **सिंगापुर, मलेशिया, श्रीलंका, ओमान, इटली और स्पेन** ने विशेष रूप से मजबूत वृद्धि दर्ज की। भारत के व्यापार के विस्तार में आसियान समूह एक महत्वपूर्ण योगदानकर्ता के रूप में उभरा, जबकि पड़ोसी दक्षिण एशियाई बाजारों में भी निरंतर वृद्धि दर्ज की गई।

इस अवधि के दौरान **यूरोपीय संघ, जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और यूनाइटेड किंगडम** सहित विकसित बाजारों को होने वाले निर्यात में भी वृद्धि दर्ज हुई। इन बाजारों में यह प्रदर्शन भारत के निर्यात के बढ़ते भौगोलिक विस्तार और उसके व्यापक होते व्यापारिक संबंधों को रेखांकित करता है।

विकास के प्रमुख इंजन के रूप में उभरा आसियान

वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही के दौरान भारत के दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (ASEAN) को निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। सीईसीए (CECA) ढांचे के तहत, **आसियान को निर्यात 58% बढ़ा**, जो वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-सितंबर अवधि के **17.75 अरब अमेरिकी डॉलर** से बढ़कर वित्त वर्ष 2026-27 की इस अवधि में **28.06 अरब अमेरिकी डॉलर** हो गया।

- **सिंगापुर** इस क्षेत्र में सबसे मजबूत प्रदर्शन करने वाले बाजारों में से एक बनकर उभरा। सिंगापुर को भारत का निर्यात दोगुने से भी अधिक हो गया, जो **103%** बढ़कर 5.45 अरब अमेरिकी डॉलर से **11.07 अरब अमेरिकी डॉलर** पर पहुंच गया।
- **मलेशिया** में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई, जहां इस अवधि के दौरान **निर्यात 83% बढ़कर 3.05 अरब अमेरिकी डॉलर से 5.58 अरब अमेरिकी डॉलर** हो गया।
- **वियतनाम को निर्यात 36% बढ़कर 3.83 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया**, जबकि **इंडोनेशिया** को भेजे जाने वाले माल में **36%** की वृद्धि हुई और यह **2.98 अरब अमेरिकी डॉलर** पर पहुंच गया।
- **थाईलैंड** निर्यात का एक अन्य महत्वपूर्ण गंतव्य बना रहा, जहां **2.65 अरब अमेरिकी डॉलर** मूल्य का निर्यात किया गया।

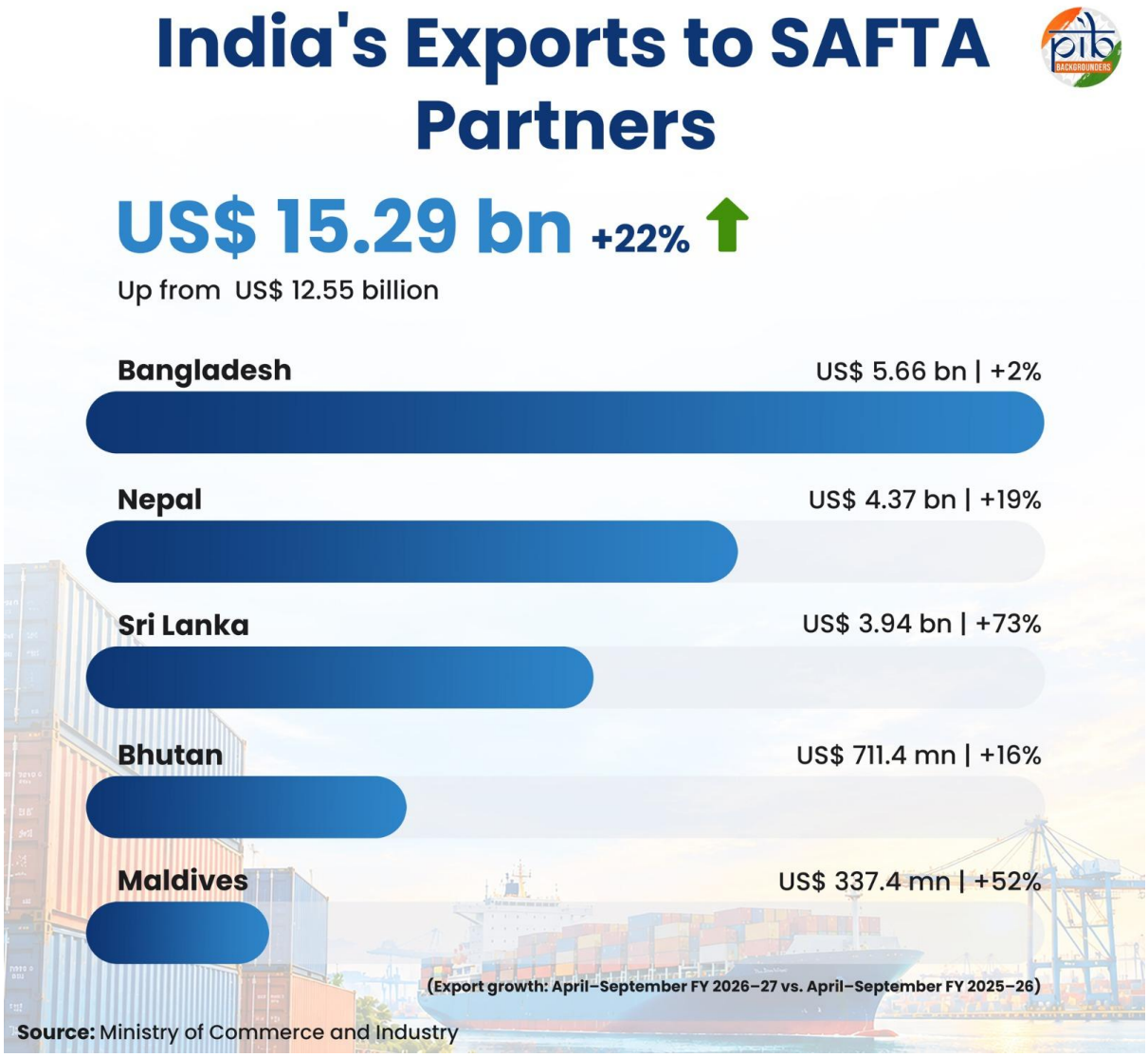


साफ्टा (SAFTA) साझेदारों के निर्यात में 22% की वृद्धि

दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार क्षेत्र (SAFTA) के साझेदारों को होने वाले निर्यात में भी वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-सितंबर अवधि के दौरान वृद्धि दर्ज की गई। **साफ्टा बाजारों को कुल निर्यात 22% बढ़ा,** जो इसी अवधि में **12.55 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 15.29 अरब अमेरिकी डॉलर** हो गया।

- **श्रीलंका** एक प्रमुख विकास बाजार के रूप में उभरा, जहां **निर्यात 2.28 अरब अमेरिकी डॉलर से 73% बढ़कर 3.94 अरब अमेरिकी डॉलर** हो गया।
- **नेपाल** को निर्यात **3.66 अरब अमेरिकी डॉलर से 19% बढ़कर 4.37 अरब अमेरिकी डॉलर** हो गया।
- **भूटान** ने भी **16%** की वृद्धि दर्ज की और निर्यात **711.4 मिलियन अमेरिकी डॉलर** तक पहुंच गया।

- छोटे दक्षिण एशियाई बाजारों में **मालदीव** ने **52%** की मजबूत वृद्धि दर्ज की, जहां निर्यात **222.2 मिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 337.4 मिलियन अमेरिकी डॉलर** हो गया।
- **बांग्लादेश साफ्टा के भीतर भारत का सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य** बना रहा, जहां **5.66 अरब अमेरिकी डॉलर** मूल्य का निर्यात हुआ और इसमे **2%** की वृद्धि दर्ज की गई।



जापान और दक्षिण कोरिया ने पूर्वी एशियाई निर्यात गति को दी मजबूती

वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-सितंबर अवधि के दौरान **जापान और दक्षिण कोरिया को** भारत के निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई, जिससे एशियाई बाजारों में व्यापार के व्यापक विस्तार को बल मिला।

- **जापान को निर्यात 40% बढ़ा,** जो इस अवधि के दौरान 2.92 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर **4.10 अरब अमेरिकी डॉलर** हो गया।

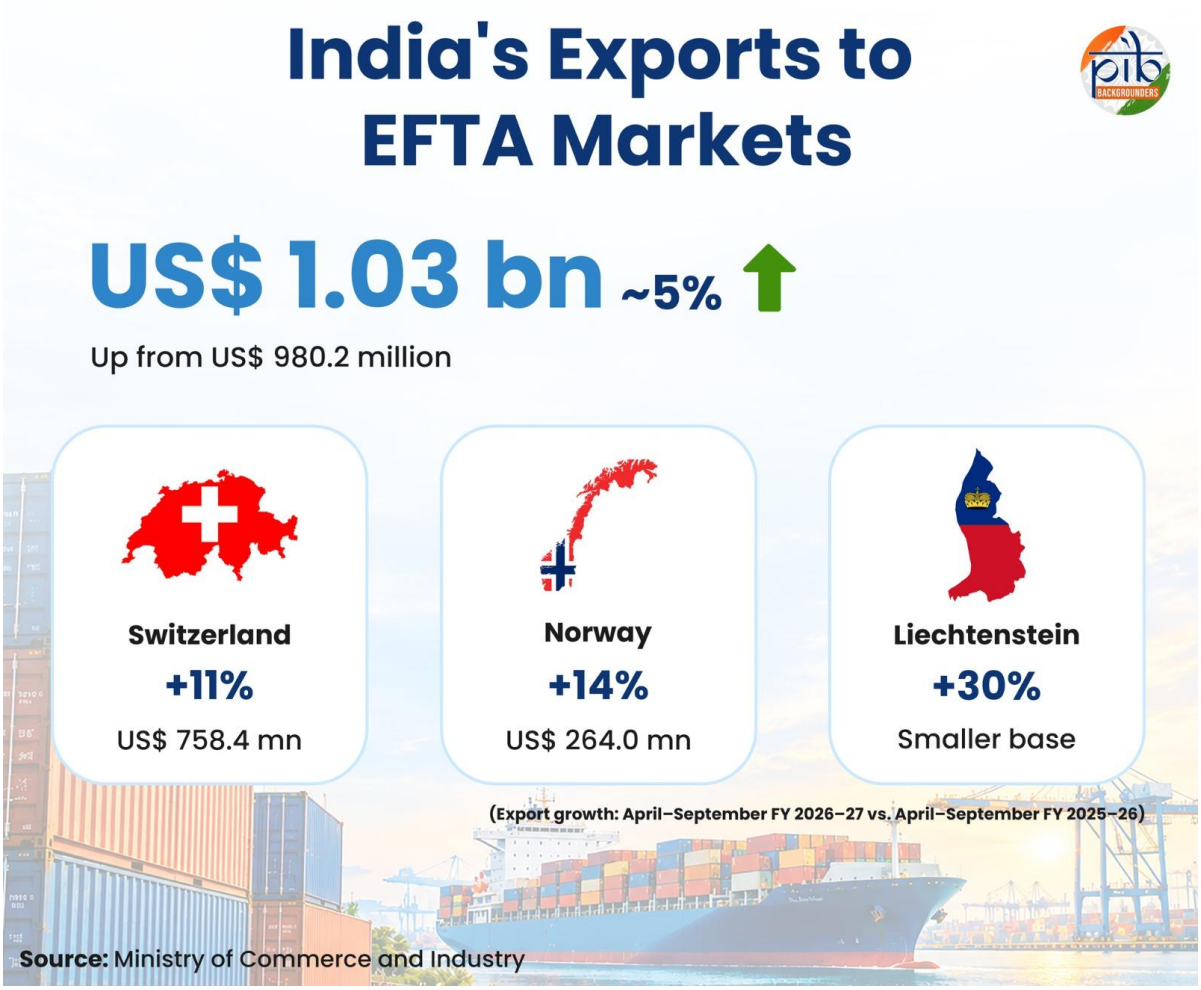
- इसी प्रकार, **दक्षिण कोरिया को निर्यात 24% बढ़ा,** जो 3.15 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर **3.91 अरब अमेरिकी डॉलर** हो गया।

दोनों बाजारों में मजबूत वृद्धि, **सिंगापुर, मलेशिया, वियतनाम** और **इंडोनेशिया** में दर्ज की गई बड़ी बढ़त के साथ-साथ भारत के एशियाई व्यापार साझेदारों में व्यापक गति को और मजबूती देती है।

ईएफटीए (EFTA) बाजारों में सकारात्मक निर्यात वृद्धि जारी

वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-सितंबर अवधि के दौरान भारत का **यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (EFTA) के साझेदारों** को निर्यात 980.2 मिलियन अमेरिकी डॉलर से लगभग 5% बढ़कर **1.03 अरब अमेरिकी डॉलर** हो गया।

- **स्विट्जरलैंड ईएफटीए साझेदारों में भारत का सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य बना रहा।** इस देश को निर्यात **11%** बढ़कर **758.4 मिलियन अमेरिकी डॉलर** तक पहुंच गया।
- **नॉर्वे** ने भी सकारात्मक वृद्धि दर्ज की, जहां निर्यात **14% बढ़कर 264.0 मिलियन अमेरिकी डॉलर** हो गया।
- **लिकटेंस्टीन** ने अपेक्षाकृत छोटे आधार के बावजूद **30%** की निर्यात वृद्धि दर्ज की।



यूरोपीय संघ के बाजारों में स्थिर वृद्धि दर्ज

कई प्रमुख यूरोपीय गंतव्यों में वृद्धि के बल पर **यूरोपीय संघ (EU)** को कुल निर्यात इस दौरान **5% बढ़ा,** जो 36.97 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर **38.79 अरब अमेरिकी डॉलर** हो गया।

- **स्पेन** सबसे मजबूत प्रदर्शन करने वाले बाजारों में से एक बनकर उभरा, जहां निर्यात 3.23 अरब अमेरिकी डॉलर से 45% बढ़कर **4.68 अरब अमेरिकी डॉलर** हो गया।
- **इटली** ने भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की, जहां भारतीय निर्यात 3.63 अरब अमेरिकी डॉलर से 25% बढ़कर **4.55 अरब अमेरिकी डॉलर** हो गया।
- **जर्मनी** एक प्रमुख यूरोपीय निर्यात गंतव्य बना रहा, जिसने **12%** की वृद्धि दर्ज की और वहां निर्यात **6.34 अरब अमेरिकी डॉलर** तक पहुंच गया।
- **फ्रांस** को निर्यात **9%** बढ़कर **3.73 अरब अमेरिकी डॉलर** हो गया।

इस अवधि के दौरान **क्रोएशिया, बुल्गारिया, साइप्रस, एस्टोनिया** और **चेक गणराज्य** सहित कई छोटे यूरोपीय बाजारों ने भी विशेष रूप से मजबूत वृद्धि दर्ज की।



नई पीढ़ी के व्यापार साझेदारों ने निर्यात की गति को दी मजबूती

आसियान, दक्षिण एशिया तथा प्रमुख पूर्वी एशियाई और यूरोपीय बाजारों के अलावा, वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-सितंबर अवधि के दौरान कई अन्य व्यापारिक साझेदारों से भी भारत के निर्यात में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई।

- **ओमान** ने विशेष रूप से मजबूत वृद्धि दर्ज की, जहां निर्यात 2.23 अरब अमेरिकी डॉलर से 47% बढ़कर **3.29 अरब अमेरिकी डॉलर** हो गया।
- **ऑस्ट्रेलिया** को निर्यात **11%** बढ़कर 3.69 अरब अमेरिकी डॉलर से **4.10 अरब अमेरिकी डॉलर** हो गया।
- **यूनाइटेड किंगडम** ने भी सकारात्मक वृद्धि दर्ज की, जहां भारतीय निर्यात **7%** बढ़कर 6.83 अरब अमेरिकी डॉलर से **7.32 अरब अमेरिकी डॉलर** हो गया।
- **मॉरीशस** में **45%** की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जहां इस अवधि के दौरान निर्यात **346.2 मिलियन अमेरिकी डॉलर** तक पहुंच गया।

नई पीढ़ी के व्यापार साझेदारों ने निर्यात की गति को दी मजबूती

वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-सितंबर अवधि के दौरान भारत का निर्यात प्रदर्शन कई एफटीए साझेदार बाजारों और प्रमुख व्यापारिक गंतव्यों में निरंतर वृद्धि को दर्शाता है। सिंगापुर को निर्यात दोगुना होने और **मलेशिया, वियतनाम तथा इंडोनेशिया** को भेजे जाने वाले माल में पर्याप्त वृद्धि के बल पर आसियान एक विशेष रूप से व्यापारिक गतिशील क्षेत्र के रूप में उभरा।

दक्षिण एशियाई बाजारों ने भी इस विस्तार में योगदान दिया, जहां **श्रीलंका, नेपाल, भूटान और मालदीव ने सकारात्मक वृद्धि दर्ज की**। साथ ही, **जापान, दक्षिण कोरिया, ओमान, ऑस्ट्रेलिया** और **कई यूरोपीय बाजारों** को बढ़े हुए निर्यात ने भारत के निर्यात गंतव्यों के बढ़ते भौगोलिक विस्तार को प्रदर्शित किया।

पारंपरिक और उभरते बाजारों में यह व्यापक वृद्धि **भारत के निर्यात पदचिह्न के बढ़ते विविधीकरण तथा एशिया, यूरोप और अन्य प्रमुख वैश्विक बाजारों में मजबूत होते व्यापारिक संबंधों को रेखांकित करती है।**

संदर्भ

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

पीआईबी रिसर्च (PIB Research)

पीके/केसी/आरटी/एमएम